Indifference Curve Analysis (3).

उदासीनता वक्र विश्लेषण की मान्यताएँ

[Assumptions of Indifference Curve Analysis.]

(1) उपभोक्ता का विवेकपूर्ण व्यवहार (Rational Behaviour of the Consumer) →.

→ उपभोक्ता एक विवेकपूर्ण प्राणी है जो अपने सीमित साधनों की सहायता से अधिकतम संतुष्टी प्राप्त करने का प्रयास करता है। वह अनेक उपलब्ध संयोगों में से उस संयोग को चुनता है जिससे उसे अधिकतम संतुष्टि प्राप्त हो।

(2) क्रमवाचक दृष्टिकोण (Ordinal viewpoint) →. उदासीनता वक्र विश्लेषण इस मान्यता पर आधारित है कि उपभोक्ता संयोगों से प्राप्त संतुष्टि को एक वरीयता क्रम प्रदान कर सकता है। संतुष्टि एक मानसिक वृत्ति है जिसको मात्रात्मक माप असंभव है।

(3) उपभोक्ता का संगत व्यवहार (Consistent Behaviour) → इस मान्यता के अनुसार यदि उपभोक्ता उपभोग के लिए दो संयोग A और B के मध्य उदासीन है तथा B तथा C के मध्य भी उदासीन है तो वह संयोग A और C के

Date
Page

मध्य भी उदासीन होगा।

(4) घटती हुई सीमान्त प्रतिस्थापन दर (Diminishing Marginal Rate of Substitution) :→ इस मान्यता के अनुसार उपभोक्ता यदि उपभोग की एक वस्तु की मात्रा बढ़ाता चला जाता है तो प्रत्येक अतिरिक्त इकाई के बदले वह दूसरी वस्तु की कम मात्रा का त्याग करने को तैयार होता है।

(5) वस्तु की कीमतें, उपभोक्ता की आदत, रुचि एवं आय में कोई परिवर्तन नहीं होता है।

(6.) दुर्बल क्रमबद्धता (Weak Ordering) → इस मान्यता के अनुसार उपभोक्ता दो संयोगों के मध्य उदासीन हो सकता है किन्तु संयोगों में से एक संयोग को अन्य की तुलना में चुनकर अपनी वरीयता स्पष्ट नहीं कर सकता।

(7) संक्रमकता (Transitivity) :→ इस मान्यता के अनुसार यदि एक परिस्थिति में उपभोक्ता ने संयोग A को संयोग B की तुलना में चुना है तथा B को C की तुलना में चुना है तो निश्चित रूप से वह A संयोग को C की तुलना में भी चुनेगा।

(8) वस्तुएं स्वरूप तथा अविभाज्यनीय होती हैं।

Thank you —